जयकारे के साथ भक्तों ने किया मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन

डीजे की धुनों पर खूब थिरके भक्त, रंग-गुलाल उड़ाकर मनाया त्योहार,चप्पे-चप्पे पर तैनात रही पुलिस, सुरक्षा का रहा पुख्ता इंतजाम

कौशाम्बी। नवरात्रि पर्व पर नव दिनों तक लगातार मां दुर्गा के नव स्वरूपों की पूजा अचर्ना करने के बाद भक्तों ने दशमी के दिन मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन हर्षोल्लास के साथ किए। इस दौरान भक्तों द्वारा रंग गुलाल उड़ा कर डीजे की धुनों में भक्त खूब थिरके। इस दौरान चिन्हित स्थानों पर भक्तों ने मां की प्रतिमा का विसर्जन किया। इस दौरान प्रसाद आदि वितरण किया गया। प्रतिमा के विसर्जन के दौरान चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रही। सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान भक्तों ने गंगा व नदी में स्नान कर पुण्य कमाया।

सोमवार को नवमी व मंगलवार को दशमी होने की वजह से मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान गांवों में स्थापिता प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए भक्त ट्रैक्टर अन्य साधनों से गाजे बाजे के साथ लेकर निकले। प्रतिमा विसर्जन के दौरान भक्तों ने जम कर अबीर गुलाल उड़ाए, और डीजे की धुनों में जम कर थिरके। इस दौरान दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन करने के लिए गांवों में भ्रमण कराया गया। भक्तों द्वारा प्रसाद आदि भी वितरण किया गया। बतादे कि सिराथू, भरवारी, मंझनपुर, देवीगंज, अझुहा, सैनी, कड़ा, पूरामुफ्ती, चायल, मनौरी, नेवादा, सराय अकिल, करारी, पूरामुफ्ती, पश्चिम शरीरा, महेवाघाट, कुम्हिावा, मंझनपुर आदि सहित कस्बा व चौराहों में रखी दुर्गा प्रतिमाओं को नगर में भ्रमण कराया गया। जिले भर के ४५१ ग्राम सभाओं व दो नगर पालिका



दुर्गा प्रतिमा का विर्सजन करते श्रद्धालु।

तथा आठो नगर पंचायतों में रखी दुर्गा प्रतिमाओं को गांव में भ्रमण कराया गया। चारो ओर सिर्फ मां दुर्गा के जयकारें ही सुनने को मिले। भक्तों द्वारा गाजे गाजे के साथ दुर्गा प्रतिमाओं को विसर्जन किया गया। इस दौरान महिलाए और पुरूष मां दुर्गा की भक्ती में सराबोर रहे। दुर्गा प्रतिमा विर्सजन के दौरान चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान तैनात रहे। गांवों में रखी दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन कराने के लिए हल्का दरोगा व सिपाही तथा नगर पंचायतों व कस्बा चौराहों में रखी दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए दरोगा, सिपाही व क्षेत्राधिकारी मुश्तैदी से तैनात रहे। जिन गांवों की प्रतिमाओं को विर्सजित करने के लिए नदी, नहर व तालाब चिन्हित किया गया था। उन स्थानों पर लोग अपनी दुर्गा प्रतिमाओं को लेकर पहुचे, और विधि विधान के साथ पूजा अचर्ना कर प्रतिमा का विसर्जन किए। बहरहाल कुछ भी हो नव दिनों से लगातार मां दुर्गा की पूजा अचर्ना से कौशाम्बी गुंजायमान रहा। वही दसमी के दिन मां दुर्गा की विधि विधिन से पूजा अचर्ना कर दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान किसी भी अप्रिय घटना नहीं हुई। शकुसल दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन कराया गया। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान भक्तों द्वारा गली कूचों में दुर्गा प्रतिमाओं का भ्रमण करा कर प्रसाद आदि वितरण किए। इस दौरान भक्तों ने मां दुर्गा के जयकारें लगाए, और प्रसाद आदि वितरण कर शांतिपूर्ण घरों को वापस लौट गए इस दौरान कोई अनहोनी नहीं हुई। मां की प्रतिमा का विर्सजन भक्तो ने बरसात में किया। दिर भर बरसात होती रही है। इसी प्रकार करारी कस्बा सहित आस-पास के गांव में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं को गाजे-बाजे के साथ मंगलवार को निर्धारित स्थलों पर विसर्जित किया गया। नगर भ्रमण के दौरान मां दुर्गा के जयघोष से गांव और कस्बे गुंजायमान रहे। इस दौरान पुलिस गांव से लेकर मूर्ति विसर्जन स्थल तक चौकशी बरतती रही।

शारदीय नवरात्रि पर करारी कस्बा के अलावा भैला मकदूमपुर म्योहर गुवारा पचंभा बभनपुरवा चक सैयदअलीपुर आदि गांव में भक्तों ने पूजा पंडाल सजाकर दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की थी। मंगलवार को भक्तों ने सिद्धि दात्रि देवी पूजा के बाद हवन कराया। नौ दिनों तक ब्रत रहने वाले भक्तों ने पारण किया। बुधवार को सुबह मां दुर्गा की प्रतिमाओं को ट्रैक्टर पिकअप आदि वाहनों में लादकर गाजे बाजे के साथ अबीर गुलाल उड़ाते हुए भक्तों ने नगर भ्रमण किया। इसके बाद निर्धारित तालाबों नदियों में प्रवाहित किया। करारी कस्बे में सुबह दस बजे प्रतिमाओं को वाहनों पर रखकर कस्बे के सोनारन टोला इंद्रानगर किंग नगर अशोक नगर प्रमुख चौराहा होते हुए नेता नगर आदि मोहल्लों से होते हुए अषाढ़ा अमृत सरोवर में विसर्जित किया गया। इस दौरान जगह जगह भक्त दुर्गा प्रतिमाओं को रोककर पूजन अर्चन कर रहे थे। जगह-जगह भक्तों ने स्टाल लगाकर प्रसाद वितरण किया।

बाइक को टक्कर मारते हुए डिवाइडर सेभिड़ी आटो, छः घायल

चायल,कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के कसेंदा गांव में सोमवार की रात एक बाइक को टक्कर मारते हुए आटो डिवाइडर से जा भिड़ी। हादसे में बाइक सवार समेत छह लोग घायल हो गए। आसपास रहे लोगों ने घायलों को इलाज के लिये एंबुलेंस की सहायता से अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की जानकारी के बाद घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंचे।

पिपरी के कसेंदा गांव में प्रयागराज-कौशाम्बी मार्ग पर सोमवार की रात करीब आठ बजे प्रयागराज की ओर जा रहा बाइक सवार युवक गुटखा खाने के लिए बाइक मोड़ रहा था। इसी बीच सवारियां भरकर तिल्हापुर मोड़ बाजार जा रहा बेकाबू आटो बाइक में जोरदार टक्कर मारते हुए डिवाइडर से भिड़ गई। हादसे में बाइक सवार यमुना प्रसाद पुत्र राज कुमार निवासी पूरामुफ्ती, आटो सवार चंद्रभान प्रजापति निवासी पंछी लाल सराय अकिल, राजकुमार पुत्र पृथ्वी लाल निवासी सिकंदरपुर आइमा, संध्या आर्या पत्नी राजकुमार, उनकी बेटी वैष्णवी आर्या गंभीर रूप से घायल हो गए। आटो चालक मौका पाकर भाग निकला। स्थानीय लोगों ने घायलों को इलाज के लिये चायल सीएचसी में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना की जानकारी के बाद परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। घायलो की हालत में सुधार बताया जा रहा है। घटना की सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दिया है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया विजय दशमी पर्व

राम एवं रावण के बीच हुआ युद्ध, सत्य एवं असत्य की लड़ाई में सत्य की हुई विजय

कौशाम्बी। जिले भर में मंगलवार को विजय दशमी का पर्व मनाया गया। इस दिन सत्य और असत्य के बीच हुए इस युद्ध में अहंकारी रावण का भगवान श्रीराम ने बध कर सत्य की विजय कराई। रावण बध होने के बाद लोगों ने पटाखा छुडा कर खुशी जाहिर किया। इस दौरान मेला का आयोजन किया गया। जिसमें भगवान श्रीराम और लक्ष्मण तथा हनुमान को हाथी पर बैठा का नगर का भ्रमण कराया गया। इस दौरान मेला में आयोजित मीना बाजार में लोगों ने जम कर खरीदारी किया।

मंगलवार को विजय दशमी के पर्व पर जनपद मुख्यालय के मंझनपुर में आयोजित रामलीला में आए कलाकारों ने राम और रावण के बीच युद्ध की कलाओं का मंचन किया। इस दौरान भगवान श्रीराम और रावण के बीच हुई इस युद्ध में भगवान श्रीराम ने अहंकारी रावण का बध कर दिया। इस दौरान लोगों ने जम कर पटाखें छुड़ाए और भगवान श्रीराम के जयकारें से गुंजायमान कर दिया। बतादे कि रावण और भगवान श्रीराम के बीच हुए इस युद्ध में सत्य और असत्य का युद्ध हुआ, जिसमे सत्य की विजय हुई। हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी मंझनपुर नगर पंचायत में रामलीला का आयोजन किया गया। जिसमे कलाकारों ने भगवार श्रीराम की कलाओं का मंचन किया। लोगों का कहना है, कि रावण के घर ७० पुत्र और ७२ नाती थे। लेकिन अपने अहंकार के चलते उसने मां सीता का हरण कर लिया और भगवान श्रीराम के बीच मां सीता को लेकर युद्ध हुआ। आदि काल से लोग विजय दशमी का त्योहार मनाते है। इस दिन रावण बध हो जाने के बाद लोग अपने घरों में दीप जलाते है, और हर्षोल्लास के साथ इस त्योहार को मनाते हे। जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाए गए इस वर्ष को सकुशल सम्पंन कराया गया। इस दौरान दुर्गा मंदिर के पास मेला का आयोजन किया गया।



युद्ध करते भगवान राम एवं रावण ।

अस्पताल संचालक से रंगदारी मांगने में मुकदमा दर्ज

कौशाम्बी। मंझनपुर स्थित पूर्णिमा हॉस्पिटल के संचालक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिम शरीरा के जयंतीपुर निवासी अभिषेक उर्फ चंद्रेश सिंह पटेल ने उनका जीना मुहाल कर दिया है। वह तरह-तरह से परेशान करता है। रंगदारी मांगता है और नहीं देने पर अस्पताल सील करवाने की धमकी देता है। पीडिता की शिकायत पर मुकदमा कायम कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कोतवाल विनीत सिंह ने जांच के बाद आगे की कार्रवाई करने की बात कही है। पुलिस का कहना है, कि केस दर्ज कर लिया गया है, जांच किया जा रहा है। आरोप सही पाये जाने पर कारवाई होगी।

सोशल आडिट संघटन के अध्यक्ष बने बृजलाल, सुमन को सचिव की जिम्मेदारी

चायल,कौशाम्बी। ब्लाक परिसर में बुधवार को ब्लाक कोऑर्डिनेटर नरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में सोशल ऑडिट टीम की बैठक आयोजित की गई। इसमें संगठन के गठन के साथ पदाधिकारियों और सदस्यों का सर्वसम्मति से मनोनयन किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन की जिम्मेदारियों का निर्वहन करने और आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की अपेक्षा जताई गई। बैठक में सर्वसम्मति से बृजलाल को संगठन का ब्लाक अध्यक्ष चुना गया। जबकि सीमा को उपाध्यक्ष, सुमन को सचिव और राजेंद्र कुमार को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं, सुनीता सेन को ऑडिटर पद के लिए मनोनीत किया गया। संदीप कुमार सिंह को संगठन का संरक्षक बनाया गया। इसके अलावा शीलू देवी, सीमा कुमारी, प्राची, बिहारी, रंजना सिंह, बृज मोहन, लवकुश और जगजीवन प्रसाद को सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया। बैठक में संगठन की कार्यप्रणाली को बेहतर बनाने और निर्धारित दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने पर जोर दिया गया। उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से पदाधिकारियों के चयन पर सहमति जताई और संगठन के गठन से सोशल ऑडिट टीम के कार्यों को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाने की उम्मीद जताई गई। इस दौरान मौजूद सदस्यों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करने का संकल्प लिया।

सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे अधिकारी

भ्रमण करते रहे डीएम एवं एसपी, वारलेंस एवं फोन के जरिये लेते रहे जायजा



सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जायजा लेते एसपी ।

कौशाम्बी। जिले भर में शनिवार को दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था चुश्त दुरूश्त करने के लिए राजस्व व पुलिस विभाग के अफसरों को लगाया गया था। जिससे कोई भी अराजम तत्व किसी प्रकार की कोई घटना को अंजाम नहीं देने पाए, और भक्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच मां की प्रतिमाओं का विसर्जन शांतिपूर्ण व सकुशल सम्पंन कराए। जिलाधिकारी अमित पाल शर्मा व पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत दिन भर क्षेत्र का भ्रमण करते रहे। इस दौरान इस दौरान अफसरों का काफिला भ्रमण करता रहा। जिलाधिकारी के आदेश पर जहा सभी थाना क्षेत्रों में उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार व हल्का लेखपाल सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में एडी से चोटी तक का जोर लगाए थे। वही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हल्का सिपाही, दरोगा, चौकी प्रभारी, थानेदार, क्षेत्राधिकारी व अपर पुलिस अधीक्षक लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर दुर्गा प्रतिमा विसर्जन में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौंबंध करने में जुटे रहे। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था में अपर पुलिस अधीक्षक अमिता सिंह, सीओ मंझनपु सौरभ सावंत, सीओ सिराथू सत्येन्द्र तिवारी, उपजिला अधिकारी मंझनपुर उप जिलाधिकारी सिराथू उपजिलाधिकारी चायल, अपर जिलाधिकारी सहित सदर कोतवाल राज किशोर, महेवाघाट करारी कडाधाम कोतवाल,पिपरी चरवा कोतवाली सहित सभी थानेदार व चौकी प्रभारी तथा दरोगा सिपाही सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे। इस दौरान पुलिस ने शांतिपूर्ण त्योहार को सम्पंन कराया। मोबाइल फोन व वारलेंस सेट के जरिए भी मातहतों को दिशा निर्देश जारी करते रहे। किसी भी गांव में अगर किसी प्रकार की कोई घटना की जानकारी मिली तो अफसर मौके पर पहुच गए, और शांतिपूर्ण व सकुशल दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन कराए। दिन भर अफसरों का काफिला गांवों व कस्बों में घूम रहा था। पुलिस व्यवस्था इतनी चुश्त दुरूश्त कर दिया गया था, कि कोई भी अराजक तत्व किसी भी प्रकार की कोई घटना को अंजाम नहीं देने पाए। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन देर शाम तक चलता रहा,

करारी में गाजे-बाजे के साथ विसर्जित की गयीं मां दुर्गा की प्रतिमाएं



गाजे-बाजे के साथ विर्सजन को ले जाते दुर्गा प्रतिमा।

करारी,कौशाम्बी। शारदीय नवरात्र में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं का मंगलवार को गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकालकर तालाबों और नहरों में विधि-विधान से विसर्जन किया गया। इस दौरान श्रद्धालु मां के जयकारे लगाते हुए डीजे की धुन पर नाचते-गाते आगे बढ़े।

शारदीय नवरात्र में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओं का मंगलवार को गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकालकर तालाबों और नहरों में विधि-विधान से विसर्जन किया गया। इस दौरान श्रद्धालु मां के जयकारे लगाते हुए डीजे की धुन पर नाचते-गाते आगे बढ़े। कस्बे के नगर पंचायत कार्यालय परिसर, सोनारनटोला, श्रीरामलीला मैदान, नेतानगर और अशोक नगर समेत विभिन्न स्थानों से मां दुर्गा की प्रतिमाओं की शोभायात्रा निकाली गई। भक्तों ने अबीर-गुलाल उड़ाकर मां को विदाई दी। अंत में सभी प्रतिमाओं का अवाना नहर में विसर्जन किया गया। इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री संजय जायसवाल, सोनू बाबा, श्यामसुंदर केसरवानी, वीरभद्र वर्मा, हरिश्चंद्र चौरसिया समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। उधर, ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। भैला मकदूमपुर गांव में अलख नारायण तिवारी और प्रेम नारायण तिवारी की अगुवाई में शोभायात्रा निकाली गई। इसके बाद गांव के बाहर तालाब में प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस मौके पर संदीप तिवारी, डॉ. कुलदीप वर्मा, लवकुश वर्मा समेत कई श्रद्धालु मौजूद रहे। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से इंस्पेक्टर संजय सिंह मय फोर्स भ्रमणशील रहे।

पति की हरकतों से परेशान होकर रामकली ने की थी खुदकुशी

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के टिकरी गांव की रामकली ने पति की हरकतों से परेशान होकर खुदकुशी की थी। यह आरोप उसके पिता ने लगाया है। पिता की तहरीर पर मुकदमा कायम कर पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी कथित प्रेमिका की तलाश कराई जा रही है।

टिकरी निवासी रामकली ने १८ अक्तूबर की सुबह गांव के बाहर बबूल के पेड़ पर फांसी लगाकर जान दे दी थी। मृतका के मायके वालों ने शुरुआती दौर में ही तमाम आरोप लगाए थे। पिता मोहनलाल निवासी ढेकहाई थाना कौशाम्बी का कहना है कि दामाद राममनी का महेवाघाट के हिनौता गांव की गोरकी देवी से कथित तौर पर दोस्ताना संबंध था। १५ अक्तूबर को आरोपी गोरकी का बिटिया से झगड़ा हुआ था। गोरकी के साथ मिलकर पति भी बेटी को प्रताडित करता था। आए दिन मारपीट करता था। इसी से परेशान होकर बेटी ने जान दी है। इस संबंध में नगर कोतवाल विनीत सिंह का कहना है कि मृतका के पति को गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया गया है। आरोपी महिला की तलाश कराई जा रही है। जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कराया जाएगा, और लिखा पढी कर कारवाई किया जायेगा।

मंझनपुर में लगे मेले का क्षेत्र के लोगों ने उठाया लुफ्त,की खरीदारी

कौशाम्बी। मुख्यालय स्थित हिन्दु धर्म सभा श्री रामलीला कमेटी द्वारा हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी दशहरा के दिन पूरे नगर में गॉजे-बाजे के साथ रामदल शोभा यात्रा निकाली गई। नगर भ्रमण यात्रा में राम लक्ष्मण सीता हनुमान रावण की झांकीया थी, नगर के लोगो ने रामदल को पुष्पा वर्षा कर जगह-जगह राम सीता लक्ष्मण की पूजा अर्चना जोरदार स्वागत किया है। इसके बाद रावण मैदान में काफी देर तक राम लक्ष्मण का रावण से युद्ध हुआ, जिसमें रावण को पराजय का सामना करना पड़ाण रावण से काफी देर युद्ध चलाए, जिसमें रावण की हार हुई और बाद में प्रतीकात्मक रावण पुतले को आग लगा दी गयी। रामनाम जायकारो की गूंज पूरे मैदान में बनी रही असत्य पर हुई सत्य की जीत के प्रतीक दशहरा में आये हुए लोगों उत्साह देखने को मिला।

नवरात्रि के समाप्ति के बाद दशहरा मनाया जाता है, मंझनपुर रामलीला मैदान में एतिहासिक रामलीला का आयोजन होता है। जिसमे हर दिन अलग-अलग कार्यक्रम को किया जाता है। दशहरा के दिन हिन्दु धर्म सभा श्री रामलीला कमेटी द्वारा पूरे नगर में गाजे-बाजे के साथ रामदल यात्रा निकाली जाती है। इस यात्रा में हजारो की तदाद में लोग शामिल होते है, नगर के लोगो द्वारा पूरे हर्षोउल्लास के साथ पुष्पा वर्ष कर रामदल का स्वागत करते है। जगह-जगह राम सीता लक्ष्मण की आरती पूजन किया जाता है। रामदल रामीलाला मैदान से सिराथू रोड़ आदि में भ्रमण कराया गया।

चाचा पर भरोसाकर कारोबारी को लगा ३५ लाख का चूना

कौशाम्बी। सिराथू कस्बा निवासी एक कारोबारी को चाचा का भरोसा करना महंगा पड़ गया। उसे करीब ३५ लाख रुपये का चूना लगा है। मामले की शिकायत पर मुकदमा कायम कर पइंसा पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

धाता रोड सिराथू निवासी प्रेमचंद्र केसरवानी ने बताया कि उसके पिता मक्खन लाल ने चाचा राधेश्याम के साथ मिलकर पइंसा के कैमा गांव में ईंट भट्टे का निर्माण कराया था। वर्ष २००४ में पिता का निधन हो गया। इसके बाद भट्टे पर कब्जेदारी को लेकर चाचा से विवाद शुरू हो गया। २९ जुलाई २०२६ को दोनों के बीच समझौता हुआ। बाकायदे एग्रीमेंट तैयार किया गया। तय हुआ था कि पीडित अपने चाचा को डेढ़ करोड़ रुपया देगा और चाचा भट्टा उसके नाम कर देंगे। पीडित ने एग्रीमेंट के साथ ही पांच लाख रुपया चाचा को दे दिया। साथ ही भट्टे का संचालन करने के लिए लगभग ३० लाख रुपये खर्च कर दिए। आरोप है कि अब चाचा न तो पीडित के नाम भट्टा लिख रहा है, न ही ली गई रकम लौटा रहा है। डीएसपी सिराथू सत्येंद्र तिवारी ने जांच के बाद आगे की कार्रवाई कराने की बात कही है।

पिकअप की टक्कर से दो सिपाही जख्मी, केसदर्ज

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली में तैनात सिपाही सूरज यादव और सुनील कुमार मौर्य की ड्यूटी शक्तिपीठ मां शीतला धाम में लगी थी। १९ अक्तूबर की शाम ड्यूटी समाप्त करने के बाद दोनों बाइक से वापस लौट रहे थे। कड़ा धाम क्षेत्र में कमालपुर तिराहा के पास पिकअप ने इनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में सूरज को गंभीर चोटें आई हैं। एसआरएन प्रयागराज में उसका इलाज चल रहा है। सुनील कुमार की तहरीर पर मुकदमा कायम कर पुलिस ने आरोपी चालक की पिकअप समेत तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है, कि घटना को लेकर जांच किया जा रहा है। जल्द ही पिकअप बरामद कर लिया जायेगा।

अपशब्द कहने के विरोध पर महिला को पीटा

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के मेढ़वापर गांव की शशि देवी पत्नी राजाराम गौतम ने बताया कि १८ अक्तूबर की शाम वह बाजार से खरीदारी कर घर लौट रही थी। गांव के पास विपक्षी लवकुश मिल गया और अपशब्द कहने लगा। विरोध करने पर उसने अपने भाई करन व परिवार के संदीप तथा सोनू के साथ मिलकर पिटाई कर दी।मामले की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने घायल का मेडिकल करा दिया है। मामले को लेकर थाना प्रभारी धीरेंद्र सिंह से बात किया गया तो उनका कहना है, कि आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की बात कही है।

रावण दहन के साथ धूमधाम से मनाया गया दशहरा

कौशाम्बी। विजयादशमी के अवसर पर श्रीरामलीला कमेटी मंझनपुर की ओर से रामदल की भव्य शोभायात्रा रामलीला मैदान से निकाली गई। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, हनुमान, सीता, भारत माता, सहित रामदल के नगर भ्रमण के दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। रामदल के जयघोष से पूरा नगर भक्तिमय नजर आया।

रामलीला मैदान से निकला रामदल सबसे पहले बड़ा शिवाला मोहल्ले पहुंचा, जहां पूरे मोहल्ले में श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान श्रीराम का स्वागत किया। इस दौरान कमेटी अध्यक्ष ने अपनी पत्नी के साथ विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद राम प्रकाश विश्वकर्मा के सहयोगियों द्वारा रामदल का पूजन कर स्वागत किया गया। रामदल आगे बढ़ते हुए चौराहों से होकर सिराथू रोड पहुंचा, जहां झल्लर चौरसिया एवं उनके सहयोगियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान श्रीराम का स्वागत किया उसके उपरान्त मंझनपुर ब्लाक एवं ओसा मार्ग पर भी रामदल का भव्य स्वागत किया है। इसके बाद रामदल नगर के विभिन्न मार्गों से भ्रमण करता हुआ रावण मैदान पहुंचा। यहां राम और रावण के बीच युद्ध का भव्य मंचन किया गया। युद्ध में भगवान श्रीराम के हाथों रावण का वध होते ही मैदान जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। इसके बाद रावण के विशाल पुतले का दहन किया गया। पुतला धू-धूकर जलने के साथ ही लोगों ने असत्य पर सत्य की विजय का उत्सव मनाया। रामदल यात्रा के दौरान नगर में सामाजिक सौहार्द की



मंझनपुर में रामलीला देखते ग्रामीण ।

भी खूबसूरत तस्वीर देखने को मिली। नगर के मुस्लिम भाइयों ने रामदल का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने भगवान श्रीराम के स्वरूपों को गले लगाकर प्रेमपूर्वक स्वागत किया और मिठाई खिलाई। इस दृश्य ने नगर की गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। रामदल के पूरे भ्रमण के दौरान नगरवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे और जगह-जगह पूजा-अर्चना, पुष्पवर्षा एवं स्वागत कर विजयादशमी पर्व को उत्साह के साथ मनाया। इस मौके पर कमेटी के सभी पदाधिकारी वं नगर के सम्भ्रान्त नगारिको सहित हजारो की संख्या में लोग शामिल रहें। रामदल का मुस्लिम भाइयों ने गले मि एवं मिठा खिलाकर किया स्वागत रामदल के नगर भ्रमण के दौरान सामाजिक सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने को मिली। नगर के मुस्लिम भाइयों ने रामदल का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए भगवान श्रीराम के स्वरूपों को गले लगाया और मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। इस दौरान आपसी भाईचारे और प्रेम का संदेश देते हुए लोगों ने एक-दूसरे को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। डीएम-एसपी ने परिवार संग देखा रावण दहन, दिया भाईचारे का संदेश मंझनपुर। विजयादशमी के अवसर पर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक अपने परिवार के साथ रावण मैदान पहुंचे और राम-रावण युद्ध तथा रावण दहन के कार्यक्रम में शामिल हुए। भगवान श्रीराम द्वारा रावण वध के बाद पुतले का दहन किया गया। अधिकारियों ने जिलेवासियों को दशहरा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विजयादशमी हमें सत्य, धर्म और अच्छाई के मार्ग पर चलने तथा समाज में आपसी प्रेम, भाईचारा और सद्भाव बनाए रखने का संदेश देती है। इस दौरान मेला का भी आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओ ने खरीदारी भी किए।

खरदूषण वध और सीता हरण की लीला का हुआ मंचन

कौशाम्बी। सरसवां ब्लाक के गोराजू गांव में हो रही रामलीला सोमवार की रात खरदूषण वध और सीता हरण की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों के सजीव अभिनय को देखकर दर्शक भाव-विभोर हो उठे। रामलीला में दिखाया गया कि शूर्पणखा भगवान श्रीराम और लक्ष्मण से विवाह करने की इच्छा जताती है। दोनों भाइयों के इनकार करने पर वह क्रोधित हो जाती है। इस पर लक्ष्मण उसकी नाक काट देते हैं। अपमानित शूर्पणखा अपने भाई खरदूषण के पास पहुंचकर पूरी घटना बताती है। इसके बाद खरदूषण सेना लेकर राम-लक्ष्मण से युद्ध करने पहुंचता है, जहां भगवान श्रीराम उसका वध कर देते हैं। भाई की मौत का बदला लेने के लिए रावण छलपूर्वक माता सीता का हरण कर लेता है। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस के जवान तैनात रहे। इस मौके पर रामलीला कमेटी अध्यक्ष ठाकुर राजेश सिंह, उपाध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव, स्टेज प्रबंधक नर्मदा प्रसाद पांडेय, मेला अध्यक्ष दीपू श्रीवास्तव सहित कमेटी के सदस्य और बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

घायल महिला की मौत के मामले में चालक पर केस दर्ज

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के चौराडीह गांव में ऑटो पलटने से घायल महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। पुलिस ने पति की तहरीर पर ऑटो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चौराडीह गांव की ३५ वर्षीया ननकी पत्नी संतलाल १८ अक्तूबर की शाम चायल बाजार से ऑटो में बैठकर घर लौट रही थी। गांव के बाहर चालक ने लापरवाही से चलाते हुए बछड़े को टक्कर मार दी। इसके बाद ऑटो पलट गया, जिससे ननकी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद चालक ऑटो लेकर फरार हो गया। परिजन उन्हें एसआरएन अस्पताल प्रयागराज ले गए, जहां १९ अक्टूबर को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर कारवाई किए जाने की मांग किया। मामले को लेकर थानेदार से बात किया गया तो उनका कहना है, कि तहरीर मिली है, प्राथमिकी दर्ज करा दिया गया है, जांच कराया जा रहा है, आरोप सही पाये जाने पर कारवाई किया जायेगा।

दारानगर में कुप्पी युद्ध देखने के लिए उमड़ा जनसैलाब

कड़ा,कौशाम्बी। दारानगर की ऐतिहासिक दो दिवसीय २४७ वीं कुप्पी युद्ध का बुधवार को समापन हो गया। मंगलवार को विजयदशमी के दिन कुप्पी युद्ध का शुभारम्भ हुआ वही एकादशी के दिन भारी भीड़ के साथ मेले का समापन हुआ।

म्योहरा गांव में इसके लिए युद्ध का मैदान सजाकर उसकी बैरिकेटिंग करायी गयी। दोनों दिन राम दल व रावण दल की सेनाओं के बीच रोमांचकारी कुप्पी युद्ध हुआ। काले रंग के कपड़े में रावण दल व लाल रंग के कपड़े में राम दल के २५-२५ सेनानी प्लास्टिक की कुप्पी लेकर मैदान में उतरे। पहले दिन चार चरणों में युद्ध हुआ। परंपरा के अनुसार पहले दिन की चारों लड़ाई में रावण की सेना श्री राम की सेना पर भारी पड़ी। जबकि दूसरे दिन तीन युद्ध हुआ जिसमें तीनो युद्ध जीत कर राम की सेना विजई हुई। रावण का वध होते ही पूरा युद्ध मैदान राजा रामचन्द्र की जय के उद्घोष से गूंज उठा। बुधवार को दूसरे दिन युद्ध इतना रोमांचक हुआ कि देखने वालो के रोंगटे खड़े हो गए। कुप्पी युद्ध मे सेनानी घायल भी हो जाते है लेकिन रणभूमि की मिट्टी ही इनके लिए दवा का काम करती है। सेनानी बताते है कि इस युद्ध मे शामिल होना उनके लिए गौरव की बात है।कुप्पी युद्ध देखने आए दर्शकों ने बताया कि ऐसा कुप्पी युद्ध कहीं और नही देखने को मिलता इसीलिए वह यहां युद्ध देखने आए हैं। आयोजक मंडल द्वारा इस युद्ध को सजीव करने के लिए महीनों पहले से ही तैयारी शुरू कर दी जाती है। युद्ध के दौरान दोनो दलों की सेना इस कदर बेकाबू हो जाती है कि उन्हें संभालना आयोजको के लिए कभी कभी मुश्किल हो जाता है।एक कुप्पी युद्ध के संपन्न होने पर मेघनाथ वध और कुंभकर्ण वध सहित अन्य लीलाएं होती है।



दारानगर में कुप्पी युद्ध करते राम एवं रावण की सेना।

दारानगर की रामलीला का इतिहास २४७ वर्ष पुराना है। इस दौरान पूर्व सांसद विनोद सोनकर एसडीएम सिराथू प्रमेश श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी सत्येंद्र प्रसाद तिवारी,अधिशासी अधिकारी दिनेश सिंह,थानाध्यक्ष कड़ा धाम महेश सिंह,रामलीला कमेटी के संरक्षक मूल प्रकाश त्रिपाठी,अध्यक्ष जयमणि तिवारी,योगेन्द्र मिश्रा,शिवम मिश्रा,समाजसेवी शैलेश मिश्रा,राजू अग्रहरि, रामचंद्र केसरवानी, सोमेश्वर तिवारी,नील कमल मिश्रा सहित कुप्पी युद्ध मे सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर बड़ी संख्या में पुलिस के जवान सहित तमाम प्रशासनिक अधिकारी व गणमान्य मौजूद रहे। प्रत्येक कुप्पी युद्ध १० मिनट का होता है इस कुप्पी संचालन की जिम्मेदारी कमेटी के पदाधिकारी की होती है लगभग १५ से २० कमेटी के लोग युद्ध का संचालन कराते हैं कमेटी के संरक्षक मूल प्रकाश त्रिपाठी जब सीटी बजाते हैं तो युद्ध प्रारंभ हो